

मीमांसित वि. (तत्.) जिसकी मीमांसा की गई हो या जिसकी मीमांसा हुई हो।

मीमांस्य वि. (तत्.) 1. मीमांसा या विवेचना के योग्य 2. जिसकी मीमांसा करना आवश्यक हो।

मीयाद स्त्री. (अर.) 1. कार्य विशेष के लिए नियत काल, अवधि 2. दंड की अवधि।

मीयादी वि. (अर.) 1. जिसका काल नियत हो जैसे मीयादी बुखार 2. सजायाफ्ता, जो दंड भुगत चुका हो पुं. (तत्.) 1. समुद्र 2. जल 3. सीमा

मीर पुं. (अर.) 1. नेता, सरदार 2. प्रधान अधिकारी 3. नेता, मुखिया 4. उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि 5. इस्लाम धर्म का मुखिया 6. सैन्यों की उपाधि।

मीर अर्ज पुं. (अर.) मध्ययुग में वह कर्मचारी जो लोगों की अर्जियाँ बादशाह तक पहुँचाता था।

मीर आतिश पुं. (फा.) मुगल शासन में तोपखाने का अधिकारी।

मीरजा पुं. (फा.) 1. किसी मीर का लड़का 2. मुगल बादशाहों की एक उपाधि वि. (तत्.) जो समुद्र से उत्पन्न हुई हो, लक्ष्मी।

मीरजाई स्त्री. (फा.) 'मीर' की उपाधि या पद 2. मीरजा होने की अवस्था या भाव 3. अभिमान।

मीर-तुजक पुं. (फा.) सेनापति, सेनानायक, सेना का प्रबंध करने वाला।

मीर-दहाँ पुं. (अर.+फा.) पुराने राज-दरबारों का वह चोबदार जो राजाओं, बादशाहों आदि के आने से पूर्व दरबारियों को पुकार कर सूचना देता था जिससे कि वे सब आदर-सत्कार के लिए खड़े हो जाए।

मीरदा पुं. (अर.) दक्षिण भारत में रहने वाले गड़ेरियों की एक जाति।

मीर-फर्श पुं. (अर.) 1. वह भारी पत्थर जो फर्श को दबाने के लिए चारों कोनों पर रखे जाते हैं 2. वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नहीं।

मीर-बखशी पुं. (फा.) एक अफसर जो मुगल शासनकाल में कर्मचारियों को वेतन बाँटता था।

मीर-बहर पुं. (अर.) जलसेना का अध्यक्ष, नौ सेनापति।

मीर-बार पुं. (फा.) मुगल शासनकाल में वह अधिकारी जो किसी को बादशाह के सामने उपस्थित होने की आज्ञा देता था।

मीर-भुचड़ी पुं. (फा.) एक कल्पित पीर जिसे किन्नर पूजते हैं तथा अपना गुरु मानते हैं, पीर-भुचड़ी।

मीर-मंजिल पुं. (अर.) वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पड़ाव का प्रबंध करता है।

मीर-मजलिस पुं. (अर.) मजलिस या सभा का प्रधान, सभापति।

मीर-महल्ला पुं. (अर.) मुहल्ले का चौधरी या मुखिया।

मीर-मुंशी पुं. (अर.) दफ्तर के तमाम क्लर्कों का नायक।

मीर-शिकार पुं. (अर.) वह प्रधान कर्मचारी जो अमीरों या बादशाहों के शिकार की व्यवस्था करता था।

मीर-सामान पुं. (अर.+फा.) खानसामाँ।

मीरास स्त्री. (अर.) 1. दाम 2. पूर्वजों से मिली हुई संपत्ति, वह जमीन जो किसी को गुजारे के लिए दी गई हो, नानकार।

मीरासी वि. (अर.) मुसलमानों की एक जाति विशेष जो गाने-बजाने का काम करती है।

मीरी वि. (अर.) 1. अमीरी, सरदारी 2. सबसे अक्ल आने वाला 3. अमीर होने की अवस्था या भाव।

मील पुं. (अर.) 1. सुरमा लगाने की सलाई, अंजन शलाका 2. दूरी बताने वाला पत्थर 3. 1760 गज या आठ फरलॉग की दूरी।

मीलन स.क्रि. (तत्.) 1. (आँख) मूँदना, बंद करना 2. फूल के बंद होने की क्रिया 3. संकुचित करना, सिकोड़ना।

मील-पत्थर पुं. (तत्.) 1. सड़क के किनारे लगे हुए वे पत्थर जो किसी विशिष्ट स्थान से उस स्थान की दूरी मीलों में बतलाते हैं 2. किसी